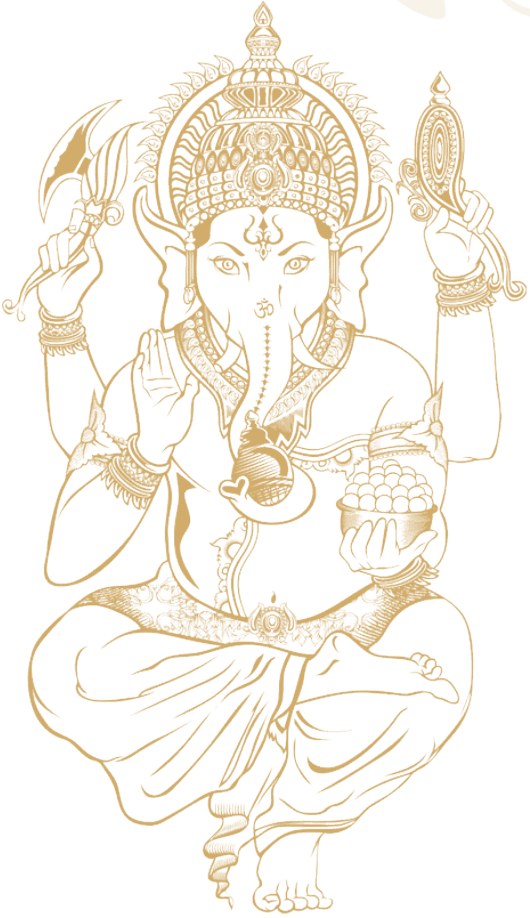

Mr.

26 Oct 2010

06:14 AM

Tehri

Model: web-FreeVarshphal

Order No: 119891903

पुल्लिंग	लिंग	पुल्लिंग
25-26/10/2010	जन्म तिथि	**25-26/10/2025**
सोम-मंगलवार	दिन	शनि-रविवार
घंटे 06:14:00	जन्म समय	02:25:14 घंटे
घटी 59:32:18	जन्म समय(घटी)	49:59:43 घटी
India	देश	India
Tehri	स्थान	Tehri
उत्तर 30:21:00	अक्षांश	30:21:00 उत्तर
पूर्व 78:29:00	रेखांश	78:29:00 पूर्व
पूर्व 82:30:00	मध्य रेखांश	82:30:00 पूर्व
घंटे -00:16:04	स्थानिक संस्कार	-00:16:04 घंटे
घंटे 00:00:00	ग्रीष्म संस्कार	00:00:00 घंटे
06:25:04	सूर्योदय	06:25:20
17:35:02	सूर्यास्त	17:34:41
24:00:45	चित्रपक्षीय अयनांश	24:13:06
तुला	लग्न	सिंह
शुक्र	लग्न लग्नाधिपति	सूर्य
वृष	राशि	वृश्चिक
शुक्र	राशि-स्वामी	मंगल
रोहिणी	नक्षत्र	ज्येष्ठा
चन्द्र	नक्षत्र स्वामी	बुध
1	चरण	3
वरियान	योग	शोभन
विष्टि	करण	विष्टि
ओ-ओमप्रकाश	जन्म नामाक्षर	यी-यीशा
वृश्चिक	सूर्य राशि(पाश्चात्य)	वृश्चिक
वैश्य	वर्ण	विप्र
चतुष्पाद	वश्य	कीटक
सर्प	योनि	मृग
मनुष्य	गण	राक्षस
अन्त्य	नाड़ी	आद्य
गरूड़	वर्ग	मृग
15	गत/तत्कालिक वर्ष	16

जन्म - विवरण | वर्ष - विवरण

नक्षत्र	पद	अंश	राशि	व	अ	ग्रह	व	अ	राशि	अंश	पद	नक्षत्र
चित्रा	4	05:10:12	तुला			लग्न			सिंह	15:39:59	1	पू०फाल्गुनी
स्वाति	1	08:29:01	तुला			सूर्य			तुला	08:29:01	1	स्वाति
रोहिणी	1	12:53:58	वृष			चंद्र			वृश्चि	25:51:09	3	ज्येष्ठा
अनुराधा	1	04:22:37	वृश्चि			मंगल			तुला	28:54:03	3	विशाखा
स्वाति	3	14:21:49	तुला		अ	बुध			वृश्चि	01:51:52	4	विशाखा
पू०भाद्रपद	4	00:25:48	मीन	व		गुरु			कर्क	00:28:24	4	पुनर्वसु
स्वाति	2	13:19:02	तुला	व	अ	शुक्र			कन्या	20:41:37	4	हस्त
हस्त	3	16:46:11	कन्या			शनि	व		मीन	01:52:57	4	पू०भाद्रपद
मूल	4	10:29:05	धनु	व		राहु	व		कुंभ	23:00:55	1	पू०भाद्रपद
आर्द्रा	2	10:29:05	मिथु	व		केतु	व		सिंह	23:00:55	3	पू०फाल्गुनी
पू०भाद्रपद	4	03:19:47	मीन	व		मु			मक	05:10:12	3	उत्तराषाढ़ा

व - वक्री स - स्थिर
अ - अस्त पू - पूर्ण अस्त
राहु : स्पष्ट

चित्रपक्षीय अयनांश : 24:13:06

लग्न-चलित

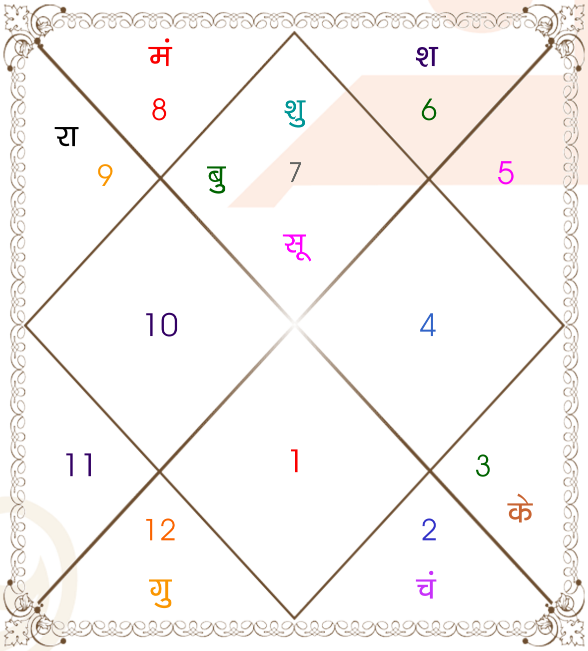

वर्ष लग्न कुंडली

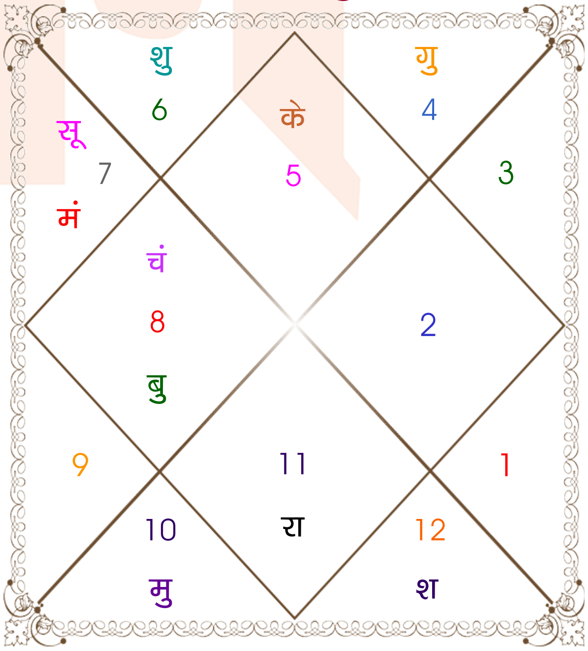

विंशोत्तरी दशा - सूक्ष्म

राहु - राहु - राहु	
23/08/2025 05:16	
18/01/2026 03:30	
राहु	14/09/2025 09:48
गुरु	04/10/2025 03:10
शनि	27/10/2025 13:17
बुध	17/11/2025 12:14
केतु	26/11/2025 03:20
शुक्र	20/12/2025 19:02
सूर्य	28/12/2025 04:33
चंद्र	09/01/2026 12:24
मंगल	18/01/2026 03:30

राहु - राहु - गुरु	
18/01/2026 03:30	
29/05/2026 15:15	
गुरु	04/02/2026 16:16
शनि	25/02/2026 11:55
बुध	16/03/2026 02:59
केतु	23/03/2026 19:05
शुक्र	14/04/2026 17:02
सूर्य	21/04/2026 06:49
चंद्र	02/05/2026 05:48
मंगल	09/05/2026 21:53
राहु	29/05/2026 15:15

राहु - राहु - शनि	
29/05/2026 15:15	
01/11/2026 18:43	
शनि	23/06/2026 08:36
बुध	15/07/2026 11:30
केतु	24/07/2026 14:06
शुक्र	19/08/2026 14:40
सूर्य	27/08/2026 10:03
चंद्र	09/09/2026 10:20
मंगल	18/09/2026 12:56
राहु	11/10/2026 23:03
गुरु	01/11/2026 18:43

राहु - राहु - बुध	
01/11/2026 18:43	
21/03/2027 11:43	
बुध	21/11/2026 13:44
केतु	29/11/2026 17:19
शुक्र	23/12/2026 00:09
सूर्य	29/12/2026 23:48
चंद्र	10/01/2027 15:13
मंगल	18/01/2027 18:49
राहु	08/02/2027 17:45
गुरु	27/02/2027 08:49
शनि	21/03/2027 11:43

राहु - राहु - केतु	
21/03/2027 11:43	
18/05/2027 00:22	
केतु	24/03/2027 20:15
शुक्र	03/04/2027 10:22
सूर्य	06/04/2027 07:24
चंद्र	11/04/2027 02:27
मंगल	14/04/2027 10:59
राहु	23/04/2027 02:05
गुरु	30/04/2027 18:10
शनि	09/05/2027 20:46
बुध	18/05/2027 00:22

राहु - राहु - शुक्र	
18/05/2027 00:22	
29/10/2027 09:04	
शुक्र	14/06/2027 09:49
सूर्य	22/06/2027 15:03
चंद्र	06/07/2027 07:46
मंगल	15/07/2027 21:53
राहु	09/08/2027 13:35
गुरु	31/08/2027 11:33
शनि	26/09/2027 12:07
बुध	19/10/2027 18:57
केतु	29/10/2027 09:04

राहु - राहु - सूर्य	
29/10/2027 09:04	
17/12/2027 16:28	
सूर्य	31/10/2027 20:14
चंद्र	04/11/2027 22:51
मंगल	07/11/2027 19:53
राहु	15/11/2027 05:23
गुरु	21/11/2027 19:11
शनि	29/11/2027 14:33
बुध	06/12/2027 14:12
केतु	09/12/2027 11:14
शुक्र	17/12/2027 16:28

राहु - राहु - चंद्र	
17/12/2027 16:28	
08/03/2028 20:49	
चंद्र	24/12/2027 12:50
मंगल	29/12/2027 07:53
राहु	10/01/2028 15:44
गुरु	21/01/2028 14:43
शनि	03/02/2028 15:00
बुध	15/02/2028 06:25
केतु	20/02/2028 01:29
शुक्र	04/03/2028 18:12
सूर्य	08/03/2028 20:49

राहु - राहु - मंगल	
08/03/2028 20:49	
05/05/2028 09:28	
मंगल	12/03/2028 05:21
राहु	20/03/2028 20:27
गुरु	28/03/2028 12:32
शनि	06/04/2028 15:09
बुध	14/04/2028 18:44
केतु	18/04/2028 03:16
शुक्र	27/04/2028 17:23
सूर्य	30/04/2028 14:25
चंद्र	05/05/2028 09:28

राहु - गुरु - गुरु	
05/05/2028 09:28	
30/08/2028 06:35	
गुरु	20/05/2028 23:29
शनि	08/06/2028 11:37
बुध	25/06/2028 01:01
केतु	01/07/2028 20:39
शुक्र	21/07/2028 08:10
सूर्य	27/07/2028 04:25
चंद्र	05/08/2028 22:11
मंगल	12/08/2028 17:49
राहु	30/08/2028 06:35

राहु - गुरु - शनि	
30/08/2028 06:35	
16/01/2029 01:40	
शनि	21/09/2028 06:00
बुध	10/10/2028 21:55
केतु	19/10/2028 00:13
शुक्र	11/11/2028 03:24
सूर्य	18/11/2028 01:57
चंद्र	29/11/2028 15:33
मंगल	07/12/2028 17:52
राहु	28/12/2028 13:31
गुरु	16/01/2029 01:40

राहु - गुरु - बुध	
16/01/2029 01:40	
20/05/2029 06:06	
बुध	02/02/2029 15:54
केतु	09/02/2029 21:45
शुक्र	02/03/2029 14:30
सूर्य	08/03/2029 19:31
चंद्र	19/03/2029 03:53
मंगल	26/03/2029 09:45
राहु	14/04/2029 00:49
गुरु	30/04/2029 14:12
शनि	20/05/2029 06:06

अथ वर्षेशफलम्

वर्ष कुण्डली में जन्म लग्नेश, वर्ष लग्नेश, मुन्थेश, त्रिराशिपति एवं दिवारात्रिपति में से जो सबसे बलवान हो तथा लग्न पर दृष्टि रखता हो, वर्षेश कहलाता है। इसका अपना विशिष्ट महत्व होता है। यह अपने शुभाशुभत्व से वर्ष के समस्त शुभ एवं महत्वपूर्ण घटनाओं को प्रभावित करता है क्योंकि यह वर्ष पंचाधिकारयों में बलवान तथा लग्न पर प्रभाव रखता है अतः इसकी स्थिति अन्य समस्त ग्रहों से प्रबल हो जाती है तथा अधिकाँश शुभाशुभ फल इसी के प्रभाव से प्राप्त होते हैं। पूर्णबली होने से सम्पूर्ण वर्ष में शुभ फल प्राप्त होते हैं, मध्यबली होने से शुभाशुभ मिश्रित फल तथा हीन बली होने से अनिष्ट फल अधिक मात्रा में प्राप्त होते हैं। यथाः-

वर्षेश्वरो भवति यः स दशाधिपेऽब्दे।
ज्ञेयोऽखिलेऽब्दजनुषोर्बलमस्य चिन्त्यम्।।

वीर्योन्विते़ऽत्र निखिलं शुभमब्दमाहुः।
हीनेत्वानिष्टफलता समता समत्वे।।

-*-*-*-*-*-*-*-*-*-*-*-*-*-*-*-*-*-*-

शारीरिक स्वास्थ्य की दृष्टि से यह वर्ष आपके लिए मध्यम रहेगा तथा समय समय पर आप रक्त विकार से कष्ट की अनुभूति करेंगे। इस समय आपकी मानसिक स्थिति भी अच्छी नहीं रहेंगी तथा मन से आप चिन्तित तथा व्याकुल रहेंगे। साथ ही आपके स्वभाव में क्रोध की प्रबलता रहेगी जिससे समय समय पर अनावश्यक समस्याएं उत्पन्न होंगी। शत्रुपक्ष या विरोधी इस समय आपसे संघर्ष के लिए तत्पर रहेंगे तथा आप उनका सामना करने के लिए उद्यत रहेंगे। इसी संघर्ष में आपको किसी शस्त्रादि से चोट लग सकती है लेकिन पराक्रम आपका बना रहेगा तथा बन्धु वर्ग से आपको पूर्ण सहयोग मिलेगा। साथ ही संघर्ष पूर्वक सुख संसाधनों की भी अल्प मात्रा में प्राप्ति होगी तथा न्यूनाधिक रूप से आप इनका उपभोग करते रहेंगे।

व्यापारिक तथा कार्य क्षेत्र में उन्नति के लिए वर्ष मध्यम रहेगा तथा परिश्रम एवं संघर्ष पूर्वक आप इस क्षेत्र में उन्नति करेंगे एवं लाभ मार्ग भी प्रशस्त रहेंगे। साथ ही यदा कदा इसमें समस्याएं भी हो सकती है तथा हानि के अवसर भी आ सकते हैं अतः सावधान रहें। नौकरी या राजनीति में आपकी उन्नति में विलम्ब तथा व्यवधान उत्पन्न होंगे तथा उच्चाधिकारी वर्ग तथा वरिष्ठ नेता आपसे अप्रसन्न से रहेंगे। अतः ऐसे समय में उनकी उपेक्षा न करें तथा आज्ञापालन में तत्पर रहें। इस वर्ष में आपकी प्रतिष्ठा भी मध्यम रहेगी साथ ही आर्थिक स्थिति में भी उतार चढ़ाव आएंगे। अतः परिश्रम एवं संघर्ष करते रहें तथा बुद्धिमता पूर्वक अपने कार्यो को सम्पन्न करें।

अथ मुंथाफलम्

जन्म के प्रथम वर्ष में लग्न ही मुंथा होती है और प्रतिवर्ष एक एक राशि बढ़ती है। अतः गत वर्ष संख्या में जन्म लग्न जोडे से तथा 12 से भाग देने पर शेषांक मुंथा की वर्तमान राशि होती है। मुंथा प्रतिमाह ढाई अंश तथा प्रतिदिन पाँच कला बढ़ती जाती है। यदि मुंथा शुभ ग्रह व अपने स्वामी से युक्त या दृष्ट हो अथवा शुभ ग्रह या अपने स्वामी के साथ इत्यशाल करे तो शुभ फल की वृद्धि कर अशुभ फल का नाश करती है। यथाः-

शुभस्वामियुक्तेक्षितावीर्ययुक्तेन्थिहास्वामिसौम्येत्थशालं प्रपन्ना।
शुभं भावजं पोषयेन्नाशुभं साऽन्यथाभाव ऊह्यो विभृश्य।।

-*-*-*-*-*-*-*-*-*-*-*-*-*-*-*-*-*-

इस वर्ष में आपका शारीरिक स्वास्थ्य अच्छा नहीं रहेगा तथा समय समय पर आप शारीरिक रूप से अस्वस्थ तथा परेशान रहेंगे फलतः शरीर में दुर्बलता रहेगी जिससे शुभ एवं महत्वपूर्ण सांसारिक कार्यो को सम्पन्न करने में आपको असुविधा रहेगी। साथ ही आपको कई बार अपने ही कार्यो से हानि भी हो सकती है जिससे आपको बाद में पछतावा होगा। इस समय मित्र एवं संबधियों से भी आपके संबध विशेष मधुर नहीं रहेंगे तथा उनसे तनाव तथा कलह का वातावरण रहेगा फलतः उनसे आपको अल्प मात्रा में ही सुख एवं सहयोग की प्राप्ति होगी। इस वर्ष में आपके शुभ एवं महत्वपूर्ण कार्य अत्यंत परिश्रम एवं पराक्रम से ही सफल होंगे परन्तु यह सफलता भी आंशिक रहेगी जिससे मानसिक रूप से भी आप अशान्त तथा चिन्तित रहेंगे।

इस समय आपके शत्रु भी अधिक मात्रा में उत्पन्न होंगे तथा उनसे आप अनावश्यक समस्याएं तथा व्यवधान प्राप्त करेंगे। साथ ही घर में किसी प्रकार की चोरी आदि की भी संभावना रहेगी ।अतः ऐसे समय में आपको सावधान रहना चाहिए। सरकार या उच्चाधिकारी वर्ग से भी आपको विशेष लाभ एवं सहयोग नहीं मिलेगा तथा वे आपसे अप्रसन्न तथा असन्तुष्ट रहेंगे। साथ ही इस वर्ष में आपका व्यय भी अधिक होगा तथा धन हानि की भी संभावना रहेगी तथा शुभ एवं महत्वपूर्ण कार्यो में भी व्यवधान रहेगा एवं विगत रुके हुए कार्यो में भी असफलता मिलेगी । इस समय आपके मन में भ्रान्तियां भी अधिक होंगी फलतः अन्य जनों से विवाद होता रहेगा। अतः इस वर्ष को संयम एवं धैर्यपूर्वक व्यतीत करें।